European Journal of Business & Social Sciences
Available at https://ejbss.org/
ISSN: 2235-767X
Volume 07 Issue 03
March 2019

षेखावाटी के अधिवास प्रारूप पर आर्थिक विकास का प्रभाव

डॉ. ममता सिद्धार्थ
असिस्टेंट प्रोफेसर
राजकीय महिला महाविधालय नारनौल

सामान्य परिचय :-

अधिवासों का अध्ययन मानव भूगोल का एक महत्वपूर्ण विषय है , जो की अधिवासों कि स्थिति ,आकार, प्रारूप ,आंतरिक संरचना, बाहरी सहलग्नता तथा राष्ट्रीय एवं भूमंडलीय अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका उस पृष्ठ प्रदेष की प्रकृति को दर्षाती है, जिससे बस्ती को भरण पोषण के साधन प्राप्त होते है एवं उसके सम्पूर्ण विकास का स्तर सुनिष्चित होते है।

प्रस्तुत षोध पत्र का अध्ययन क्षेत्र षेखावाटी प्रदेष है जिसकी स्थिति 27 ′.30′ से 28 ′-30′ एवं75 ′.00 से 76 ′.00 उतरी अक्षांष एवं पूर्वी देषान्तर के मध्य है। राजस्थान के सीकर एवं झुन्झुनू जिले , अथार्त षेखावाटी का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 13735 वर्ग कि.मी. है। यहा पर अधिवासों का वर्तमान स्वरूप एक लम्बी अवधि के कर्मिक विकास का घोतक है। नि: संदेह आर्थिक कारकों ने अपने परिवर्तन द्वारा इस क्षेत्र विषेष के अधिवास प्रतिरूप निर्धारण में मुख्य भूमिका निभाई है। यही प्रस्तुत षोध पत्र की मुख्य विचार धारा है । षेखावाटी के वर्तमान आर्थिक स्वरूप के सन्दर्भ में सीकर के अधिवासों का अध्ययन, विष्लेषण तथा उनसे सम्बन्धित विभिन्न समस्याओं,सुझाओ एवं अधिवासों के भावी विकास को ध्यान में रखकर यहषोध पत्र प्रस्तुत किया गया है।

European Journal of Business & Social Sciences
Available at https://ejbss.org/

ISSN: 2235-767X
Volume 07 Issue 03
March 2019

MAP - 2.1

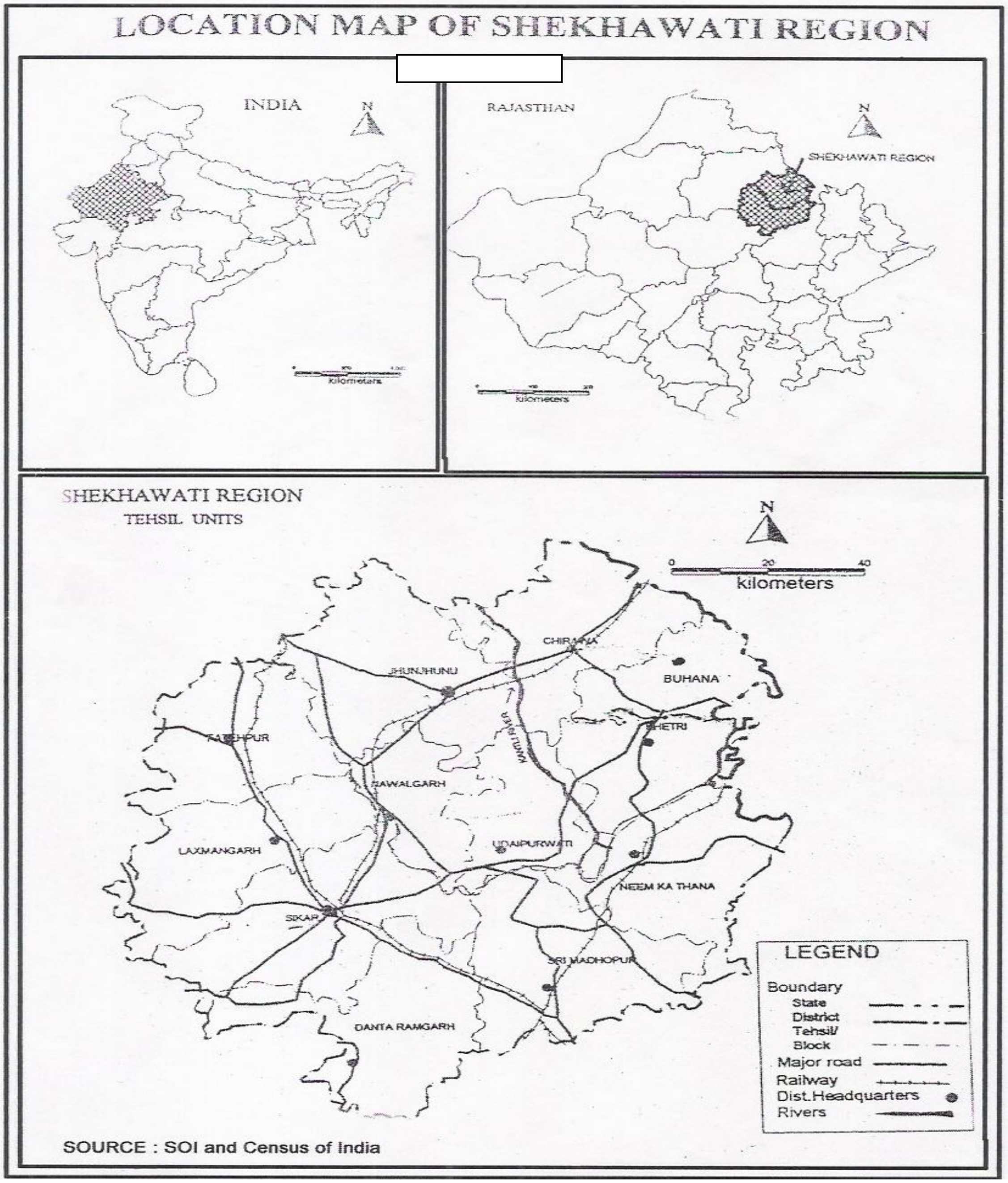

षोध की परिकल्पनाए :-

इस शोध का आधार निम्नलिखित परिकल्पनाएं है जिनके आधार पर अध्ययन क्षेत्र का अध्ययन किया गया है–

अधिवासों का विकास तथा वितरण भौतिक तथ्यों (धरातल तथा जलवायु) से प्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित है।

- प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धि अधिवास सघनता को बढ़ाती है।
- अधिवासों का भोगोलिक वितरण आर्थिक एवं सामाजिक विकास से प्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित होता है।

षोध के उद्देष्य :-

शेखावाटी के वर्तमान आर्थिक स्वरूप से सन्दर्भ में शेखावाटी के अधिवासों का अध्ययन विश्लेषण तथा उनसे सम्बन्धित विभिन्न समस्याओ , सुझाओ एवं अधिवासों के भावी विकास को ध्यान में रखकर प्रस्तुत करने की योजना है।

प्रस्तुत षोधके निम्न उद्देष्य है-

- शेखवाटी क्षेत्र की भौगोलिक पृष्ठभूमि, जनसंख्या स्वरूप एवं आधारभूत सरंचना का अध्ययन करना।
- क्षेत्र की आर्थिक दशाओं का अध्ययन करना।
- क्षेत्र में अधिवासों के विकास को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन करना।
- क्षेत्र के वर्तमान अधिवास स्वरूप का संख्यात्मक एवं गुणात्मक स्वरूप अध्ययन करना।
- आर्थिक विकास से तुलना करके शेखवाटी अधिवासों का अध्ययन करना।
- आर्थिक विकास एवं अधिवास विकास की गति को अवरूद्व करने वाले तत्वों का विश्लेषण करना तथा इन्हे दूर करने की सम्भावनाओं का पता लगाना।

शोध विधि तंत्र:-

ISSN: 2235-767X
Volume 07 Issue 03
March 2019

प्रस्तुत शोध के अन्दर sampling method , composite index method , माथुर के औसत अंतराल विधि का प्रयोग किया गया है । शेखावाटी में अधिवास प्रारूप एवं आर्थिक विकास के मध्य सम्बन्ध के अध्ययन के लिए कुछ चयनित प्रतिदर्श ग्राम एवं नगर लिए गए है जिनका चयन प्रतिचयन विधि से किया गया है । अधिवासो के अंतरण को ज्ञात करने के लिए ग्रामीण एवं नगरीय अधिवासो के अंतरण हेतु अलग अलग विधियों का प्रयोग किया गया है।

- अधिवासो के अन्तरण कों ज्ञात करने की विधियॉ :–
- ग्रामीण अधिवास अन्तरण ज्ञात करने के लिए –

ए. बी. मुखर्जी की सैद्धान्तिक दूरी विधि

सैद्धान्तिक दूरी (D) =1.1284(A/N)

जबकि A =प्रदेश का सम्पूर्ण क्षेत्रफल

N=अधिवासों की कुल संख्या

1.1284=स्थिरांक

- नगरीय अधिवास अन्तरण ज्ञात करने के लिए –
- ब्रंश की सैद्धान्तिक दूरी विधि

सैद्धान्तिक दूरी (D) = $1.07\sqrt{(A/N)}$

जबकिA=प्रदेश का सम्पूर्ण क्षेत्रफल

N= अधिवासों की कुल संख्या

1.07 =स्थिरांक

- आर्थिक विकास के स्तर संयुक्त सूचकांक विधि द्वारा ज्ञात करना:–

चरों का समान्तर माध्यX=ΣX / N

प्रमाप विचलन (σ) = $\sqrt{\Sigma d^2}$

$$\text{Composite Index Value} = \frac{\text{Gross Standardized Value}}{\text{Number of Variables}}$$

European Journal of Business & Social Sciences
Available at https://ejbss.org/
ISSN: 2235-767X
Volume 07 Issue 03
March 2019

आर्थिक विकास स्तर के मानक:-

शेखावाटी की सभी तहसीलों में सामाजिक आर्थिक विकास का अध्ययन करने के लिए साख्यांकिय विधियों एवं विकास का स्तर पता लगाने के लिए प्रयुक्त किये गए तत्वों के मानक मूल्यों की सहायता ली गई है। शेखावाटी में तहसीलानुसार विकास का स्तर ज्ञात करने के लिए निम्न तत्वों का सहारा लिया गया है :-

1. विधुत आपूर्ति की सुविधा युक्त ग्रामो एवं नगरों का प्रतिशत।
2. शैक्षणिक सुविधा युक्त ग्रामो एवं नगरों का प्रतिशत।
3. चिकित्सा सुविधा युक्त ग्रामो एवं नगरों का प्रतिशत।
4. कुल क्षेत्रफल का प्रतिशत कृषित क्षेत्र।
5. कुल क्षेत्रफल का प्रतिशत सिंचित क्षेत्र।
6. प्रतिशत साक्षरता।
7. पक्की सड.क की सुविधा युक्त ग्रामो एवं नगरों का प्रतिशत।
8. संचार सुविधा युक्त गावो तथा नगरों का प्रतिशत।
9. बाजार सुविधा युक्त गावो का प्रतिशत।
10. कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत।
11. द्विवितीयक एवं तृतीयक व्यवसाय में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत।
12. वन क्षेत्र का प्रतिशत।
13. मनोरंजन एवं सांस्कृतिक सुविधा का प्रतिशत।
14. बैंक एवं कर्षि साख सहकारी समिति सुविधा का प्रतिशत।

आर्थिक विकास कटिबन्ध या स्तर :-

विकास का स्तर पता लगाने के लिए प्रयुक्त तत्वों के आधार पर प्राप्त कम्पोजिट इंडेक्स के आधार पर विकास के पांच स्तर निर्धारित किये गए है।

European Journal of Business & Social Sciences
Available at https://ejbss.org/
ISSN: 2235-767X
Volume 07 Issue 03
March 2019

शेखावाटी के ग्रामीण आर्थिक विकास कटिबन्ध -

शेखावाटी के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कटिबन्ध

तहसिल का नाम	कम्पोजिट इंडेक्स	विकास का स्तर
फतेहपुर, लक्ष्मणगढ, दातारामगढ, श्रीमाधोपुर	-0.23 से -0.23	अति निम्न स्तर
नीमकाथाना	-0.23 से -0.03	निम्न स्तर
झुंझुनू, खेतडी, बुहाना	-0.03 से +0.17	मध्यम स्तर
चिडावा	+0.17 से +0.37	उच्च स्तर
सीकर , उदयपुरवाटी ,नवलगढ	+0.37 सेअधिक	अति उच्च स्तर

शेखावाटी के नगरीय आर्थिक विकास कटिबन्ध

शेखावाटी के नगरीय क्षेत्रों में विकास कटिबन्ध

तहसिल का नाम	कम्पोजिट इंडेक्स	विकास का स्तर
उदयपुरवाटी , दातारामगढ	– 0.99 से – 0.58	अति निम्न स्तर
लक्ष्मणगढ, नीमकाथाना, खेतडी	– 0.58 से – 0.17	निम्न स्तर
श्रीमाधोपुर	–0.17 से +0.24	मध्यम स्तर
नवलगढ	+0.24 से +0.65	उच्च स्तर
सीकर , झुंझुनू , चिडावा	+0.65 से 1.06	अति उच्च स्तर

साराशत**:**उपरोक्त 12 तहसिलों में विकासात्मक गतिविधियों की सफलता पर वहा के भू– पारिस्थतिकीय वातावरण का प्रभाव पडा है। विकास स्तर की कमी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलु जन सहभागिता का अभाव और अवैज्ञानिक तथा अविवेकपूर्ण रूप से संसाधनों का उपयोग रहा है।

अधिवासों पर आर्थिक विकास का प्रभाव :-

1. आर्थिक विकास एवं अधिवास आकार :-

European Journal of Business & Social Sciences
Available at https://ejbss.org/
ISSN: 2235-767X
Volume 07 Issue 03
March 2019

शेखावाटी में आर्थिक विकास एवं अधिवास आकार के मध्य गहरा सम्बन्ध पाया गया है। आर्थिक विकास स्तर में वृद्वि के साथ साथ अधिवासों के आकार में भी वृद्वि पाई गई है जैसे उदयपुरवाटी , सीकर , नवलगढ , चिडावा में विपरित सम्बन्ध का कारण क्षेत्रफल में कमी एवं ग्रामो की अधिकता है अन्य तहसीलों में इस अंतर का कारण ग्रामीण क्षेत्रफल तथा क्षेत्र विशेष (तहसील) में उपस्थित ग्रामो की संख्या है , यही स्थिति नगरीय क्षेत्र में भी है। व्यक्तिगत रूप से शेखावाटी के प्रत्येक नगर को देखा जाये तो यह स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है की प्रत्येक नगर ने अपने आर्थिक विकास के साथ साथ घनात्मक विकास किया है कही पर भिन्नता दिखाई पडती है तो वह केवल अधिक नगरीय क्षेत्रफल एवं कम नगर संख्या के कारण है।

शेखावाटी में तहसीलानुसार ग्रामीण आर्थिक विकास एवं अधिवास आकार 2001

तहसील	आर्थिक विकास स्तर (कम्पोजिट इन्डेक्स)	प्रतिग्राम क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)	प्रतिग्राम जनसंख्या
उदयपुरवाटी	0.57	9.7	2801
नवलगढ	0.49	7.3	2418
सीकर	0.47	8.6	1994
चिडावा	0.24	6.2	1580
खेतडी	0.14	9.0	2465
बुहाना	0.04	5.2	1622
झुन्झुनु	.0.02	5.6	1166
नीमकाथाना	.0.05	7.6	2059
श्रीमाधोपुर	.0.24	6.6	2126
लक्ष्मणगढ	.0.37	7.3	1432
फतेहपुर	.0.41	8.8	1285
दांतारामगढ	.0.43	6.3	1625

'शेखावाटी में तहसीलानुसार नगरीय आर्थिक विकास एवं अधिवास आकार 2001

तहसील	आर्थिक विकास स्तर (कम्पोजिट इन्डेक्स)	प्रतिनगर क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)	प्रतिनगर जनसंख्या
उदयपुरवाटी	.0.99	27843	35.00
नवलगढ	0.30	24761	31.00
सीकर	0.69	185925	24.67
चिडावा	0.99	32227	30.00
खेतडी	.0.18	39202	20.62
झुन्झुनु	1.05	31421	59.02
नीमकाथाना	.0.20	29548	20.00
श्रीमाधोपुर	0.10	25813	50.42
लक्ष्मणगढ	.0.53	47345	16.26
फतेहपुर	0.08	53460	11.63
दांतारामगढ	.0.81	25361	71.23

2.आर्थिक विकास एवं अधिवास घनत्व:-

शेखावाटी के अधिवास घनत्व पर ग्रामीण एवं नगरीय सुविधाओं एवं आर्थिक विकास का प्रभाव पडा है ग्रामीण क्षेत्र में अधिवासों का घनत्व मुख्य रूप से उपजाऊभूमि , जल प्राप्ति एवं बाजार सुविधाओं द्वारा बढा है। वही नगरीय क्षेत्रो मे अधिवास घनत्व मुख्यतया शैक्षिक सुविधाओं , औधोगिकरण , बाजार सुविधाओं , जल , विधुत परिवहन आदि सुविधाओं द्वारा आकर्षित हुआ है।

ग्रामीण क्षेत्रो मे यधपि अधिवास घनत्व आर्थिक विकास के समानुपाती रहता है परन्तु कुछ जगह इसमें अंतर भी पाया जाता है जिसका मुख्य कारण ग्रामो की संख्या , धरातल की प्रवति , क्षेत्रफल की मात्रा आदि है। नगरीय अधिवासों का घनत्व भी आर्थिक विकास से प्रभावित होता है। इस समानुपाती सम्बन्ध को भी क्षेत्र विशेष का क्षेत्रफल उसके नगर संख्या प्रभावित करती है।

शेखावाटी में तहसीलानुसार ग्रामीण आर्थिक विकास एवं अधिवास घनत्व 2001

तहसील	आर्थिक विकास स्तर (कम्पोजिट इन्डेक्स)	प्रतिग्राम घनत्व (प्रति 100 वर्ग किमी.)
उदयपुरवाटी	0.57	9
नवलगढ	0.49	13
सीकर	0.47	12
चिडावा	0.24	15
खेतडी	0.14	10
बुहाना	0.04	19
झुन्झुनु	.0.02	17
नीमकाथाना	.0.05	12
श्रीमाधोपुर	.0.24	14
लक्ष्मणगढ	.0.37	13
फतेहपुर	.0.41	11
दांतारामगढ	.0.43	15

शेखावाटी में तहसीलानुसार नगरीय आर्थिक विकास एवं अधिवास घनत्व 2001

तहसील	आर्थिक विकास स्तर (कम्पोजिट इन्डेक्स)	प्रतिनगर घनत्व (प्रति 100वर्ग किमी.)
उदयपुरवाटी	.0.99	1
नवलगढ	0.30	4
सीकर	0.69	0
चिडावा	0.99	2
खेतडी	.0.18	1
झुन्झुनु	1.05	3
नीमकाथाना	.0.20	0
श्रीमाधोपुर	0.10	2
लक्ष्मणगढ	.0.53	0
फतेहपुर	0.08	1
दांतारामगढ	.0.81	0

ISSN: 2235-767X
Volume 07 Issue 03
March 2019

3.आर्थिक विकास एवं अधिवास अन्तरण :-

आर्थिक विकास अधिवास अंतरण को प्रभावित करता है जहां उच्च आर्थिक विकास हुआ है वहा मुख्यतया अधिवास अंतरण कम पाया जाता है कुछ क्षेत्रो में यह सम्बन्ध वहा के स्थानिय कारको जैसे क्षेत्रफल , आर्थिक विकास का असमान वितरण , नगर व ग्रामों की संख्या आदि पर भी निर्भर करता है । इस प्रकार कहा जा सकता है की आर्थिक विकास जहां शेखावाटी के ग्रामो एवं नगरो में उपस्थित विभिन्न प्रकार की सुविधाओं जैसे कार्यशील जनसंख्या ,साक्षरता , औधोगिक विकास , बैंक , एवं साख सुविधाओं , शिक्षा , स्वास्थ्य , यातायात , परिवहन , संचार तथा सांस्कृतिक सुविधओं द्वारा निर्धारित हुआ है । वही विभिन्न प्रकार के अधिवासों का आकार घनत्व एवं अंतरण आर्थिक विकास के साथ साथ क्षेत्र के क्षेत्रफल व ग्राम एवं नगरों की संख्या एवं प्राकृतिक स्थिति पर भी निर्भर है।

शेखावाटी में तहसीलानुसार ग्रामीण आर्थिक विकास एवं अधिवास अन्तरण 2001

तहसील	आर्थिक विकास स्तर (कम्पोजिट इन्डेक्स)	ग्रामीण अधिवास अन्तरण (किमी.)
उदयपुरवाटी	0.57	3.6
नवलगढ	0.49	3.1
सीकर	0.47	3.2
चिडावा	0.24	2.8
खेतडी	0.14	3.4
बुहाना	0.04	2.6
झुन्झुनु	.0.02	2.7
नीमकाथाना	.0.05	3.1
श्रीमाधोपुर	.0.24	3.0
लक्ष्मणगढ	.0.37	3.0
फतेहपुर	.0.41	3.3
दांतारामगढ	.0.43	2.9

शेखावाटी में तहसीलानुसार नगरीय आर्थिक विकास एवं अधिवास अन्तरण 2001

तहसील	आर्थिक विकास स्तर (कम्पोजिट इन्डेक्स)	ग्रामीण अधिवास अन्तरण (किमी.)
उदयपुरवाटी	.0.99	31.1
नवलगढ	0.30	16.2
सीकर	0.69	41.5
चिडावा	0.99	22.3
खेतडी	.0.18	30.4
झुन्झुनु	1.05	19.3
नीमकाथाना	.0.20	37.2
श्रीमाधोपुर	0.10	23.1
लक्ष्मणगढ	.0.53	37.6
फतेहपुर	0.08	24.6
दांतारामगढ	.0.81	40.2

निष्कर्ष एवं सुझाव

नियोजन ही ज्ञान का अंतिम उद्देश्य होता है , जिसके आधार पर मानव अपना सदैव प्रकाशपूर्ण भविष्यपा सके तथा विकास पथ पर अग्रसर होता रह सके। शेखावाटी के इस शोध अध्ययन से क्षेत्र के बारे में अनेक निष्कर्ष एवं भावी पक्ष उभर कर सामने आये है।

निष्कर्ष :-

- शेखावाटी के विभिन्न क्षेत्रों में अधिवासों की संख्या, उनमें निवासित जनसंख्या एवं आर्थिक विकास तीनों में वृद्धि हो रही है। जिससे यहां के अधिवास प्रतिरूप में बदलाव हुए हैं। ग्रामीण एवं नगरीय दोनो प्रकार के अधिवासों के आन्तरिक खण्ड में जहां गुच्छ प्रतिरूप पाया जाता है वही मध्यवर्ती खण्ड में वृताकार तथा बाहर की ओर अधिकतर रेखीय प्रकार के अधिवास पाये जाते है।
- आर्थिक विकास के साथ–साथ पक्के मकानों में वृद्धि हुई है। इसके साथ ही दो मंजिल एवं तीन मंजिले मकानों की संख्या में भी वृद्धि हो रही है।
- आवागमन एवं संचार के साधनों के विकास तथा चकबन्दी आदि भूमि सुधारों के कारण नये पुरवों एवं खेत घरों का अभ्युदय सड़कों,रेल स्टेषनों के समीप तथा खेतों में हो रहा है। यहां परिवहन मार्गों के मिलन बिन्दु ने अधिवासों के लिए आदर्ष संस्थिति प्रदान की है।
- जलभराव तथा बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में अधिवासों का विकास नदियों के ऊँचे कगारों एवं ऊँचाई के क्षेंत्रों में हुआ है।
- पहाड़ी क्षेत्रों में प्रकीर्ण एवं अपखण्डित प्रकार के अधिवासों की प्रधानता है।
- पहाडी व पठारी क्षेत्रो मे अधिवास अनियमित प्रतिरूप वाले है जिनका आकार मध्यम से निम्न प्रकार का है। इनका घनत्व कम एवं अधिवास अन्तरण अधिक है। पहाड़ी क्षेत्रों में अधिवासों का आकर्षण घाटियों, समतल क्षेत्रों की ओर हुआ है। जिससे बन्द अधिवासों का विकास भी कहीं कहीं पर हुआ है।
- मैदानी क्षेत्र मे,सामुहिक और सघन अधिवासों का वितरण है।
- समतल उपजाऊ मैदानों में अधिवास घनत्व उच्च, अन्तरण निम्न तथा अधिवासों का आकार बड़ा है।
- मैदानी क्षेत्रों में अधिवास नियमित रूप से वितरित है।
- मैदानी क्षेत्रो मे अधिवासों का आकार, घनत्व मुख्यरूप से मृदा के उपजाऊपन, भूमिगत जल की गहराई, खेतो के आकार की ओर आकर्षित हुआ है।

सुझाव :-

- नगरों को सभी ग्रामों से जोड़ दिया जाए जिससे नगरीय सुविधाओं को ग्रामों तक पहुँचाया जा सकें।
- ग्रामों में आधारभूत आवष्यकताओं को बढाया जाना चाहिए जिससे ग्राम भी आर्थिक विकास कर सकें।
- **शेखावाटी** के विकास के लिए तथा यहां के लोगों की सुविधाओं में वृद्धि हेतु निम्न क्षेत्रों के योजनात्मक नियोजन पर ध्यान दिया जाएः–
  - उद्योग तथा ओद्योगिक बस्ती
  - व्यापारिक क्षेत्र
  - बस्ती क्षेत्र
  - परिवहन
  - शिक्षा का क्षेत्र
  - प्रशासनिक संस्थान
  - मनोरंजनात्मक स्थल

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :-

Chisholm Michael : Rural Settlement and Land Use, HutchinsonUniversity Press,London, 1968

Sharma R.C. : Settlement Geography ofthe Indian Desert, Pub. By Kumar Brothers, New Delhi 1972

Tiwari,R.C : Settlement System In Rural India, Geographical Society,Allahabad, 1984

European Journal of Business & Social Sciences
Available at https://ejbss.org/
ISSN: 2235-767X
Volume 07 Issue 03
March 2019

गौतम अलका :आर्थिक भूगोल के मूल तत्व , शारदा पुस्तक भवन , इलाहाबाद2005

मौर्य , एस.डी. :अधिवास भूगोल , शारदा पुस्तक , भवन पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स इलाहाबाद , 2005.

सिंह , डा. यु. बी : अधिवास भूगोल , जवाहर पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स ,नई दिल्ली , 2003

सिंह रामयज्ञ : अधिवास भूगोल , रावत पब्लिशर्स , जयपुर , 2005

तिवारी , आर.सी. : अधिवास भूगोल , प्रयाग पुस्तक भवन , इलाहाबाद , 2004